an>

Title: Need to give honour to police and defence personnel who sacrifice their lives for the safety and security of nation and women.

श्रीमती मीनाक्षी लेखी (नई दिल्ली) : माननीय अध्यक्ष जी, धन्यवाद। आज का दिन विजय दिवस के रूप में भी जाना जाता है। यह दिन ऐसा है जब हम शहीदों, सैनिकों को याद करते हैं, जिन्होंने देश की रक्षा की। आज ही के दिन इनको भूल जाना शायद संसद के लिए अपमानजनक होगा। आज का दिन निर्भया केस के लिए भी याद किया जाता है। निर्भया केस ऐसा केस है जो शायद हमारे अस्तित्व पर प्रश्न चिह्न लगाता है। हमारे देश के शहीदों ने आजादी और रक्षा के लिए जिस तरह से अपनी जान न्यौछावर की और देश को सुरक्षा प्रदान की ताकि भारत का संविधान देश को चला सके। इसी पर प्रश्न चिह्न लग गया है। ऐसी स्थिति में मुझे लगता है कि जो नया उबर रेप केस हुआ है। इसमें पुलिस ने जिस बेहतर तरीके से काम किया है, उसकी सराहना आवश्यक है ताकि पुलिसकर्मी और आफिसर्स इन यूनिफार्म हैं, उनको इज्ज़त दी जाए। देश की संसद दो विषयों पर, शहीदों और महिलाओं की इज्ज़त पर बिना कोई राजनीति किए इकट्ठे एक ही वचन में बंधी रहे। इन दोनों विषयों पर संसद की तरफ से एक ही वचन होना चाहिए, इसलिए मैंने दोनों विषयों को जोड़ा है।